

will be set up U.S.A. at all important places in Punjab;

(b) if so, whether a scheme has been formulated for the same; and

(c) the names of such places?

The Deputy Minister in the Ministry of Food and Agriculture (Shri A. M. Thomas): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Does not arise.

Railway Schools

1675. Shri Krishnapal Singh: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) the number of schools of the Primary and Pre-Primary status being run by the Ministry of Railways with their locations; and

(b) the number of students and teaching staff in each of these schools?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) and (b). Information is being collected and will be laid on the Table of the House in due course.

Catering Establishments

1676. Shri Sidheshwar Prasad: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the National Nutrition Advisory Committee has stated that the catering establishments run under the Ministry are very poor; and

(b) if so, the steps taken to ensure nutritive value of the food served?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) The proceedings of the Advisory Committee referred to are awaited.

(b) Suitable steps necessary will be considered on receipt of the proceedings.

145(Ai) LSD—3.

गेहूं का रक्षित भंडार

१६७७. श्री युद्धवीर सिंह चौबरी : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय केन्द्रीय सरकार के पास कितना गेहूं का रक्षित भंडार है ; और

(ख) वर्तमान फसल के अनुमानों को ध्यान में रखते हुए क्या यह भंडार देश की गेहूं की आवश्यकता के लिये पर्याप्त रहेगा अथवा बाहर से और गेहूं मंगाना पड़ेगा ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री प्र० म० वामस) : (क) १० लाख १९६३ को केन्द्रीय सरकार के पास गेहूं का भंडार लगभग १५ लाख मीट्रिक टन का जिसमें वह गेहूं भी सम्मिलित है जो रास्ते में है, गोदियों में है और जहाज में है ।

(ख) आरक्षित भंडार बनाने तथा वर्तमान खपत की पूर्ति करने के लिये अधिक गेहूं आयात करना पड़ेगा और उस की योजना भी बना ली गयी है ।

राष्ट्रीय पशु पालन संस्थान

१६७८. श्री युद्धवीर सिंह चौबरी : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में पशुधन की उन्नति के लिये क्या सरकार के सामने कोई पशु विज्ञान सम्बन्धी राष्ट्रीय संस्था स्थापित करने का विचार है ; और

(ख) यदि हां, तो उनका ब्योरा क्या है ?

खाद्य तथा संचार मंत्रालय में उपमंत्री (श्री प्र० म० वामस) : (क) और (ख) भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान